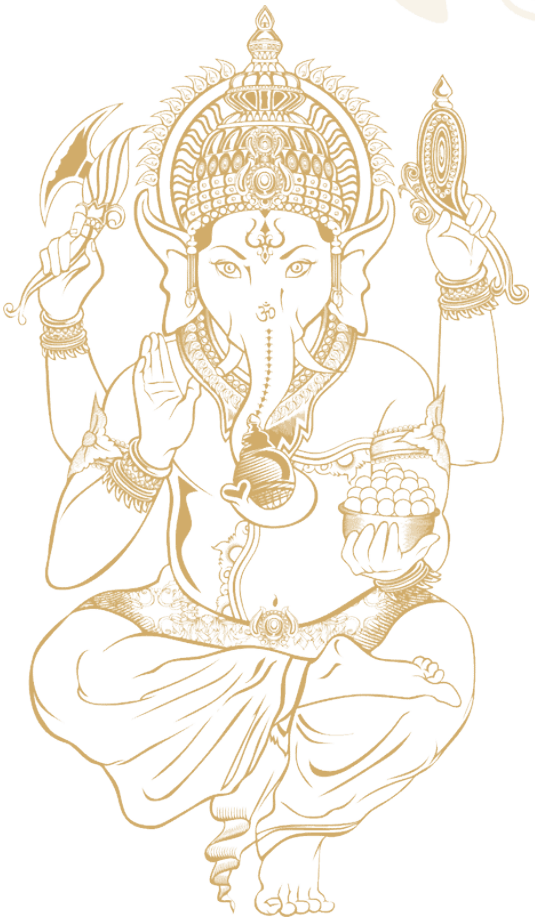

14 Feb 2025

12:11 PM

Pratapgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121098703

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/02/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:11:00 घंटे**
इष्ट	13:52:17 घटी
स्थान	**Pratapgarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:52:00 उत्तर
रेखांश	82:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:09:08 घंटे
वेलान्तर	-00:14:10 घंटे
साम्पातिक काल	21:47:18 घंटे
सूर्योदय	06:38:05 घंटे
सूर्यास्त	17:54:18 घंटे
दिनमान	11:16:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:36:37 कुम्भ
लग्न के अंश	15:31:07 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सुकर्मा
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टी-टीकम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	15:31:07	367:43:40	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	01:36:37	01:00:36	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	21:04:45	12:16:15	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
मंगल	व		मिथु	23:25:17	00:07:36	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	कुंभ	05:22:43	01:49:39	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
गुरु			वृष	17:14:05	00:01:59	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	12:09:28	00:31:37	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	उच्च राशि
शनि			कुंभ	24:42:55	00:07:01	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	स्वराशि
राहु	व		मीन	03:22:26	00:01:35	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	03:22:26	00:01:35	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	29:08:50	00:00:46	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	---
नेप			मीन	04:10:14	00:01:59	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:15:28	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	00:19:15	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:31

लग्न-चलित

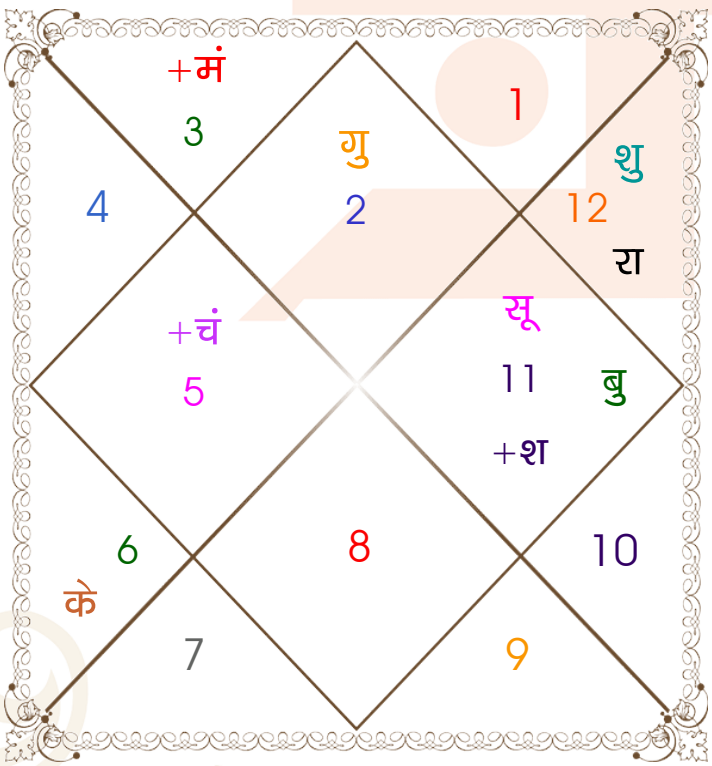

चन्द्र कुंडली

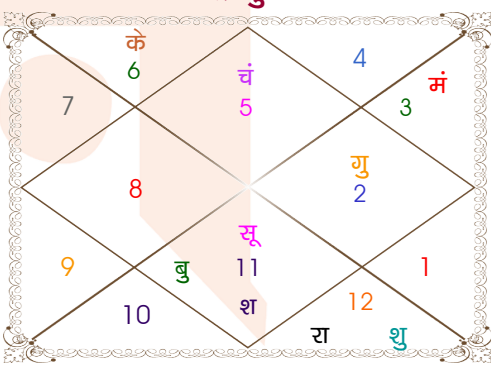

नवमांश कुंडली

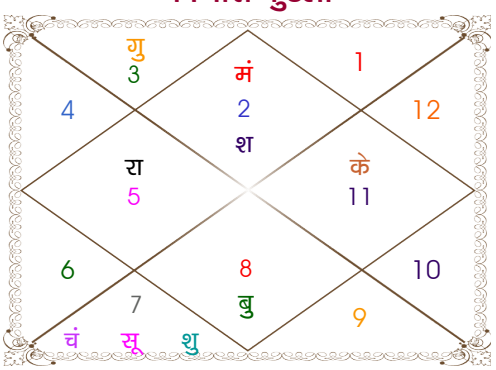

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 8 वर्ष 4 मास 17 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
14/02/2025		03/07/2033		04/07/2039		03/07/2049		03/07/2056	
03/07/2033		04/07/2039		03/07/2049		03/07/2056		04/07/2074	
	00/00/0000	सूर्य	21/10/2033	चंद्र	03/05/2040	मंगल	29/11/2049	राहु	16/03/2059
	00/00/0000	चंद्र	21/04/2034	मंगल	02/12/2040	राहु	18/12/2050	गुरु	09/08/2061
	00/00/0000	मंगल	27/08/2034	राहु	03/06/2042	गुरु	24/11/2051	शनि	15/06/2064
	00/00/0000	राहु	22/07/2035	गुरु	03/10/2043	शनि	02/01/2053	बुध	02/01/2067
	14/02/2025	गुरु	09/05/2036	शनि	03/05/2045	बुध	30/12/2053	केतु	21/01/2068
गुरु	04/05/2026	शनि	21/04/2037	बुध	03/10/2046	केतु	28/05/2054	शुक्र	20/01/2071
शनि	03/07/2029	बुध	26/02/2038	केतु	04/05/2047	शुक्र	28/07/2055	सूर्य	15/12/2071
बुध	03/05/2032	केतु	04/07/2038	शुक्र	02/01/2049	सूर्य	03/12/2055	चंद्र	15/06/2073
केतु	03/07/2033	शुक्र	04/07/2039	सूर्य	03/07/2049	चंद्र	03/07/2056	मंगल	04/07/2074

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/07/2074		04/07/2090		04/07/2109		05/07/2126		04/07/2133	
04/07/2090		04/07/2109		05/07/2126		04/07/2133		00/00/0000	
गुरु	21/08/2076	शनि	06/07/2093	बुध	01/12/2111	केतु	01/12/2126	शुक्र	03/11/2136
शनि	04/03/2079	बुध	15/03/2096	केतु	27/11/2112	शुक्र	31/01/2128	सूर्य	03/11/2137
बुध	09/06/2081	केतु	24/04/2097	शुक्र	28/09/2115	सूर्य	07/06/2128	चंद्र	05/07/2139
केतु	16/05/2082	शुक्र	25/06/2100	सूर्य	03/08/2116	चंद्र	06/01/2129	मंगल	03/09/2140
शुक्र	14/01/2085	सूर्य	07/06/2101	चंद्र	03/01/2118	मंगल	04/06/2129	राहु	04/09/2143
सूर्य	02/11/2085	चंद्र	06/01/2103	मंगल	31/12/2118	राहु	22/06/2130	गुरु	15/02/2145
चंद्र	04/03/2087	मंगल	15/02/2104	राहु	20/07/2121	गुरु	29/05/2131		00/00/0000
मंगल	08/02/2088	राहु	22/12/2106	गुरु	25/10/2123	शनि	07/07/2132		00/00/0000
राहु	04/07/2090	गुरु	04/07/2109	शनि	05/07/2126	बुध	04/07/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 5 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगे या जी चुरायेंगे तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहते हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेते हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करते हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेते उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखते हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाते हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त लेते हैं।

क्योंकि आप यह जानते हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम करना पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाते हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना के व्यक्ति नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहते हैं।

स्वभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाले तथा पीछे मुडकर नहीं देखते हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहते यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझते हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय के प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों के सहायक होंगे।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगे। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहते हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं। अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।